23.8.72

जापान का संविधान

[विश्वविद्यालयों के बी. ए. व एम. ए. के विद्यार्थियों के लिए]

Manohar Memorial College
LIBRARY
Accession No.....862
Classification.....
FATEHABAD (HISSAR)

लेखक

इकबाल नारायण, एम. ए., पी-एच. डी.
रीडर, राजनीति-शास्त्र विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी
पुस्तक प्रकाशक एवं विक्रेता : आगरा-३

विषय-सूची

पृष्ठ संख्या

अध्याय

१. जापान के संविधान का विकास व स्वरूप :

जापान के संविधान का विकास; पूर्व-सामंतिक काल—पूर्व सामंतिक-काल का पूर्वार्द्ध-मातृ मूलक जातियों की व्यवस्था; पूर्व सामंतिक काल का उत्तरार्द्ध—पहला लिखित संविधान; सामंतिक काल—सामंतिक काल की शासन व्यवस्था; उत्तर सामंतिक काल—पाँच धाराओं का प्रतिज्ञा पत्र; नये संविधान का निर्माण—जापानी नेताओं का विरोध; मित्र राष्ट्रों के सर्वोच्च कमान का आदेश; सर्वोच्च कमान द्वारा संविधान के प्रारूप का निर्माण; जापान के मंत्रिमण्डल द्वारा संविधान की स्वीकृति; जापान की डाइट द्वारा संविधान की स्वीकृति; नये संविधान की विशेषतायें—लिखित संविधान; लोकतंत्र का प्रतीक; लोक प्रभुसत्ता की व्यवस्था; व्यक्ति की महत्ता की व्यवस्था; संसदीय शासन तथा व्यवस्थापिका की सर्वोच्चता व न्यायिक पुनर्निरीक्षण की व्यवस्था; सर्वोच्च कमान के प्रभाव का निराकरण; शाही घराने पर संसद का नियंत्रण; विदेशी उत्पादन; नये संविधान का भविष्य। १-१९

२. सम्राट् का पद :

सम्राट् के पद का महत्व; एकता का बंधन; ईश्वरीयता का प्रतीक; अनुकरणीय आदर्श की वस्तु; सम्राट् के पद का मानवीकरण; जापान के राजनैतिक इतिहास में सम्राट का स्थान; नये संविधान के अनुसार सम्राट् की स्थिति; सम्राट् के पद का मूल्यांकन। २०-२६

३. जापानी संसद—डाइट :

डाइट का स्वरूप; डाइट की रचना; डाइट के सत्र—साधारण सत्र; असाधारण सत्र; डाइट के सदनों के अध्यक्ष; डाइट के सदस्यों की योग्यतायें; डाइट की समितियाँ; व्यवस्थापन की प्रक्रिया; डाइट के कार्य तथा अधिकार—व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य; वित्त सम्बन्धी कार्य; प्रशासन के नियंत्रण का कार्य; न्याय सम्बन्धी कार्य; प्रतिनिधि सदन व पार्षद सदन की तुलना; डाइट का भविष्य २७-३६

४. प्रधान मंत्री तथा मंत्रिमंडल :

प्रधान मंत्री—प्रधान मंत्री का चुनाव व उसकी नियुक्ति; प्रधान-मंत्री की स्थिति; प्रमुख कार्यालय; सहायक अंग; बाह्य अंग; कर्मचारी तथा गृह प्रबन्ध उपविभाग; मंत्रिमण्डल—मंत्रिमण्डल का निर्माण; मंत्रिमण्डल की कार्यप्रणाली; मंत्रिमण्डल के कार्य तथा अधिकार—प्रशासन सम्बन्धी कार्य; व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य; वित्त सम्बन्धी कार्य; मंत्रिमंडल की स्थिति। ३७-४८

५. जापान की न्याय-व्यवस्था :

जापानी न्याय-व्यवस्था का स्वरूप; जापानी न्यायपालिका का संगठन; जापानी न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति; जापान की न्याय पालिका के न्यायाधीशों की सेवा की शर्तें; जापान के न्यायालयों का न्यायक्षेत्र—प्रारम्भिक न्यायक्षेत्र; अपीलीय न्यायक्षेत्र; वैधानिकता सम्बन्धी निर्णय; नियम निर्माण; जापान की न्याय-पालिका की कार्य प्रणाली—खुली सुनवाई; कानून का शासन; कानून के समक्ष सब की समानता; सरकारी अधिवक्ताओं की व्यवस्था; जापानी न्याय व्यवस्था का मूल्यांकन। ४९-५६

६. जापान का कर्मचारी तंत्र :

जापान में कर्मचारीतंत्र का महत्व; जापान के कर्मचारीतंत्र का विकास—युद्ध पूर्व काल; युद्धोत्तर काल; कर्मचारी तंत्र की शक्ति के कारण; जापान के कर्मचारीतंत्र की व्यवस्था; जापान के कर्मचारी तंत्र की प्रमुख विशेषतायें—सामाजिक महत्व व सम्मान; सामन्तिक परम्परा; कर्मचारीतंत्र का शक्ति का एकाधिकार; लालफीता शाही; सत्तारूढ़ शक्ति के प्रति नम्रता की भावना; राजनीति प्रवेश की प्रवृत्ति; कर्मचारीतंत्र व व्यवसाय का सम्बन्ध; अपव्ययता। ५७-६४

७. जापान के राजनैतिक दलों :

दल व्यवस्था का विकास—युद्ध पूर्व काल; युद्धोत्तर काल; प्रमुख राजनैतिक दल; राजनैतिक दल का संगठन व कार्य; राजनैतिक दलों का स्वरूप—संवैधानिक मान्यता का अभाव; व्यक्तियों का महत्व; पश्चिम का प्रभाव; राष्ट्रीय आधार का अभाव; जापान की दल-प्रणाली की प्रमुख विशेषतायें—धर्म निरपेक्षता; दलों की बहु-संख्या; गुटबन्दी की प्रवृत्ति; पूँजीपतियों व राजनैतिक दलों का गठबन्धन; सरकारी अधिकारियों के प्रवेश की प्रवृत्ति; जापान की दल प्रणाली का मूल्यांकन। ६५-७१

८. जापान की राजनैतिक व्यवस्था का मूल्यांकन :

आधुनिकीकरण तथा जापान; जापानी समाज की सत्तात्मकता; जापान के राजनैतिक जीवन का स्तर; जापान का शासन सूत्र, शासनतंत्र व जनसाधारण; शासन द्वारा जनता के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह; शासन तंत्र की आर्थिक अभिरुचि; शासनतंत्र तथा समाज-कल्याण; शासनतंत्र द्वारा संविधान का क्रियान्वय। ७८-८३